जी-20 के अंतर्गत भारत सरकार एवं ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से युवाओं के लिए वाई-20 सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

रशिया, यूक्रेन, क्रीमिया एवं अन्य देशों के कलाकारों ने भारतीय संस्कृति की बिखेरी छटा

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। जी-20 के अंतर्गत भारत सरकार एवं ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से युवाओं के लिए वाई-20 सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ओआरसी के दादी प्रकाशमणि सभागार में हुआ। कार्यक्रम में रशिया, यूक्रेन, क्रीमिया एवं अन्य देशों के कलाकारों ने भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी। मेरा जूता है जापानी, ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता ही एक ऐसा माध्यम है जो हमारे मूल स्वरूप को प्रत्यक्ष करता है। अमेरिका से आए ब्र.कु. केन ने कहा कि जब स्वयं के साथ हमारा बेहतर सम्बंध होता है तब ही प्रकृति और व्यक्ति से हमारे सम्बंध

देश रंगीला रंगीला, ऐ वतन-वतन मेरे आबाद रहे...एवं बचपन के दिन भुला न देना जैसे मधुर गीतों के द्वारा, पंजाबी भांगड़ा के द्वारा भी बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। साथ ही आध्यात्मिक और ईश्वरीय स्मृति के गीतों ने सुंदर समा बांधकर सबको भाव-विभोर कर दिया। अच्छे होते हैं। ब्र.कु. अनुसुइया दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ के रशिया स्थित सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्र.कु. संतोष दीदी, नर्सी मोंजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. राजन सक्सेना सहित अन्य गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय एवं डॉ. ब्र.कु. राजऋषि बसवराज 'समाज गौरव पुरस्कार' से सम्मानित

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक एवं पर्यावरण मंत्री सुधीर भाऊ मुनगंटीवार ने प्रदान किया यह पुरस्कार

चंद्रपुर-महा। चंदा क्लब ग्राउण्ड में आयोजित 'श्रीमद् भागवत् गीता एक जीवन संदेश' विषयक कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई एवं डॉ. राजऋषि बसवराज भाई को सांस्कृतिक एवं पर्यावरण राज्यमंत्री सुधीर भाऊ मुनगंटीवार द्वारा 'समाज गौरव पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुप्रसिद्ध गायिका साधना सरगम, नितिन भाई, जयगोपाल लुथरा, शशी मेकल आदि कलाकारों द्वारा भव्य सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के कला संस्कृति प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. दयाल भाई, उपाध्यक्षा ब्र.कु. निहा बहन,गामदेवी मुम्बई, मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सतीश भाई, ब्र.कु. ओंकार भाई,माउण्ट आबू, दिल्ली से ब्र.कु. अल्पा बहन एवं ब्र.कु. रचना बहन, कोलकाता से इलेक्ट्रॉनिक गिटार वादक शोभन कुमार घोष, मुम्बई से अभिनेत्री मोनिका पटेल, एलफिंस्टन मुम्बई से ब्र.कु. शीतल बहन, दावणगेरे से ब्र.कु. लीला बहन, बेंगलुरु से ब्र.कु. विश्वनाथ भाई, शारदा बहन, दुबई से मिडल ईस्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. गायकवाड़, उल्हासनगर से शाम नोतानी, अमरावती से ब्र.कु. सीता बहन व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

इसी के साथ इस दौरान ब्रह्माकुमारीज़ चंद्रपुर क्षेत्र द्वारा राजयोगिनी ब्र.कु. कुसुम दीदी के प्रथम स्मृति दिवस के निमित्त पाँच दिनों तक विभिन्न भव्य कार्यक्रम आयोजित हुए।

तुकुम चंद्रपुर में कुसुम पार्क का शिलान्यास तथा पौधा रोपण हुआ। चंद्रपुर की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. कुन्दा दीदी ने कुसुम दीदी की स्मृतियों को ताज़ा किया। इस मौके पर उपस्थित सभी भाई-बहनों ने राजयोगिनी ब्र.कु. कुसुम दीदी को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किये।

राजयोग की शिक्षा हमें आंतरिक रूप से सशक्त बनाती

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच,वरुणा शाखा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी एवं ट्रेनिंग कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. तापोशी बहन ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में बाह्य आकर्षण और दिखावे ने नारियों को खुद के ही आंतरिक गुण और शक्तियों से खोखला कर दिया है। ऐसे समय में परमात्म प्रदत्त ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की शिक्षा हमें आंतरिक रूप से सशक्त एवं युयोग्य बना सकती है।

राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. राधिका बहन ने कहा कि यदि नारियां स्वयं में विद्यमान आंतरिक गुण और शक्तियों को उजागर करें तो समाज में नई और श्रेष्ठ पहचान मिलना आसान हो जाएगा। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमति रीता अग्रवाल ने कहा कि आज हमें जो प्रेरणा मिली वह हम नारियों के जीवन के लिए आदर्श साबित होगी। इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की पूर्व अध्यक्षा श्रीमति रीना तुलस्यान, अनिता गिनोडिया के साथ पूर्व उपाध्यक्षा श्रीमति यशा मोदी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

विन्ध्याचल में 'शिवशक्ति आध्यात्मिक कला मंदिर व 3डी शो' का भव्य उद्घाटन

अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने किया लोकार्पण

सायंकालीन कार्यक्रम में सौ के करीब गृहस्थी राजयोगी साधकों का हुआ सम्मान

9 ब्रह्माकुमारी बहनों ने किया ईश्वरीय सेवार्थ आजीवन समर्पित

विन्ध्याचल-मिर्ज़ापुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विन्ध्याचल में नवनिर्मित 'शिवशक्ति आध्यात्मिक कला मंदिर एवं 3डी शो' के उद्घाटन कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि दृढ़ विश्वास और नम्रता जीवन में सदा सफलता दिलाते हैं। इस कला मंदिर में जो भी प्रवेश करेगा उसे जीवन की यथार्थ पहचान और आंतरिक सत्य का बोध होगा। श्रीराम जन्म भूमि,अयोध्या के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्रदास जी महाराज ने कहा कि जन-कल्याण के वृहद् आध्यात्मिक कार्य के साथ निःस्वार्थ सेवाभाव इस संस्था की पहचान है। संस्था के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई व क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बिन्दू दीदी ने सभी का स्वागत किया। नागपुर से आए प्रसिद्ध गायक ब्र.कु. अविनाश ने आध्यात्मिक गीत-संगीत की सुंदर प्रस्तुति दी। सायंकाल मिर्ज़ापुर स्थित श्रीकृष्णा टावर मैदान में आयोजित सम्मान समारोह में घर-गृहस्थ में रहते पारिवारिक, सामाजिक के साथ आध्यात्मिक दायित्व का निर्वहन करने वाले सौ से अधिक संस्था के सदस्यों का सम्मान किया गया। साथ ही इस मौके पर नौ ब्रह्माकुमारी बहनों ने ईश्वरीय सेवार्थ परमात्मा शिव को अपना जीवन समर्पित किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2023
स्वामी - प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org